वन स्टॉप सेंटर सखी में आधा अधूरा स्टाफ

कलेक्टर को गुमराह करने का आरोप, अपनी नाकामियों को दबाने में लगा है आईसीडीएस अमला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 12 दिसम्बर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टाप सेंटर सखी भगवान भरोसे चल रहा है। वन स्टाप सेंटर में 11 पद के विरूद्ध केवल तीन स्टाफ कार्य कर रहा है। जबकि काउंसल समेत आठ पद 18 महीने से खाली है।

गौरतलब है कि वन स्टाफ सेंटर सखी जिला मुख्यालय बैढ़न में जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर के समीप महिला एवं बाल विकास विभाग के दौरान संचालित किया गया है। किंतु पिछले 18 महीने के अधिक समय से वन स्टाफ सेंटर महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्कालीन डीपीओ राजेशराम गुप्ता की अफसरशाही रवैया के चलते कई महीनो तक एकलौते

प्रशासक के भरोसे चलता रहा। यहां कार्यरत एनजीओ की छुट्टी कर दिया था और अपने चहेते एनजीओ को कार्य दिलाने के लिए करीब चार बार निविदा को ही निरस्त कर दिया। हालांकि इसमें अकेले तत्कालीन डीपीओ ही नही, बल्कि अपर कलेक्टर भी दोषी ठहराये जा रहे थे। जिसके चलते वन स्टाफ सेंटर भगवान भरोसे चलता रहा। यहां बताते चले कि वन स्टाफ सेंटर सिंगरौली में केस वर्कर, केस टेकर एवं सुरक्षा कर्मी के तीन-तीन एवं काउंसलर तथा कम्प्यूटर ऑपरेटर की एक-एक समेत कुल 11 पद स्वीकृत हैं। जिसमें से केस वर्कर, केस टेकर एवं सुरक्षा कर्मी कुल तीन की संख्या में कार्य कर रहे हैं। 8 पद 18 महीने के अधिक समय से पद खाली पड़ा हुआ है। ज्ञात हो कि पिछले माह कलेक्टर गौरव बैनल ने वन स्टाफ सेंटर के लचर व्यवस्था को लेकर डीपीओ को फटकार भी लगाते हुये निर्देशित किया था कि व्यवस्थाएं बेहतर हो और इस समस्या का निदान करें। आरोप लगाएं जा रहे हैं कि डीपीओ अपनी नाकामी को छुपाने के लिए पुलिस कर्मी, प्रशासक एवं लिपिक को जोड़ कर संख्या 7 बता रहे हैं। जबकि प्रशासक, पुलिस एवं लिपिक 11 पदों के बाहर हैं। इन्हीं आंकड़े को लेकर डीपीओ जितेन्द्र गुप्ता अपनी वाहवाही बताने में लगे हुये हैं। फिलहाल महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वन स्टाफ सेंटर अव्यवस्थाओं एवं स्टाफ की समस्या से जूझ रहा है और डीपीओ अपनी कमियों को छुपाने में लगे हुये हैं।

अपने चहेते एनजीओ को काम सौंपने की थी चाहत

यदि सूत्रों की बात माने तो वन स्टाफ सेंटर डेढ़ साल पूर्व तक ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन तत्कालीन डीपीओ राजेशराम गुप्ता ने अपने किसी चहेते एनजीओ को काम दिलाना चा रहे थे, इसीलिए चार बार निविदा निरस्त की गई, हालांकि इसके पूर्व निविदा की प्रक्रियाएं भी काफी देर से शुरू की गई थी। वहीं यह भी चर्चा है कि डीपीओ वन स्टाफ सेंटर सखी को स्वयं अपने कब्जे में लेकर संचालित कराना चा रहे थे। उसके पीछे उनकी मंशा क्या रही है, इसे तो वहीं बताते, परंतु वन स्टाफ सेंटर को भगवान भरोसे छोड़ देने में कहीं न कहीं तत्कालीन डीपीओ ने अहम भूमिका निभाई थी और आज उन्हें के चलते वन स्टाफ सेंटर समस्याओं के मकड़ जाल से बाहर नही निकल पाया।

वर्तमान डीपीओ की भी नहीं है दिलचस्पी !

वन स्टाफ सेंटर में एनजीओ के माध्यम से संचालित कराना है, ऐसा निर्देश भारत सरकार का है, लेकिन जिला मुख्यालय बैढ़न में पिछले डेढ़ वर्षो के अधिक समय से आईसीडीएस विभाग देख-रेख कर रहा है। चर्चित डीपीओ राजेशराम गुप्ता का सिंगरौली से छुट्टी होने के बाद नये डीपीओ जितेन्द्र गुप्ता आएं तो लोगों को उम्मीद थी कि कुछ अच्छा कार्य करेंगे और वन स्टाफ सेंटर के साथ-साथ गायत्री बालिका गृह केन्द्र भी बेहतर रूप से संचालित होगा। परंतु आरोप लगाये जा रहे हैं कि वर्तमान डीपीओ की भी इस ओर कोई विशेष दिलचस्पी नही है। इसके पीछे असली वजह क्या है, इसे तो नही बताया जा सकता है। इसका जवाब डीपीओ ही देंगे। वन स्टाफ सेंटर में स्टाफ की कमी है और सरकार के गाईड लाईन के अनुसार चल रहा है।

इनका कहना :-

वन स्टाफ सेंटर में 7 पद भरे हुये हैं। कोई समस्याएं नही हैं, कौन बता रहा है कि स्टाफ नही है। व्यवस्थाएं सब ठीक-ठाक हैं।

जितेन्द्र गुप्ता
डीपीओ, आईसीडीएस, सिंगरौली

निगाही मोड़ पर बेकाबू कार की टक्कर से स्वीपर की मौत

स्थानीय जनों ने सड़क को किया बाधित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 12 दिसम्बर। नवानगर थाना के निगाही मोड़ पर आज दिन शुक्रवार की देर शाम एक बेकाबू कार के चालक ने राहगीर स्वीपर को टक्कर मार दिया। जहां गंभीर घायल अवस्था में स्वीपर को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार नवानगर निवासी कैलाशराम पैदल उम्र 42 वर्ष जा रहा था कि निगाही मोड़ के पास कार वाहन क्रमांक यूपी 16 बीसी 5655 के चालक ने तेज गति से चलाते हुये टक्कर मार दिया। जहां स्वीपर गंभीर रूप से घायल हो गया। जांच चेकिंग में मौजूद पुलिस ने तत्काल जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, लेकिन चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस दौरान लोगों ने सड़क को जाम कर दिया है। मौके पर तहसीलदार सविता यादव, टीआई कपूर त्रिपाठी, टीआई अर्चना द्विवेदी भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रही।

एक नजर में

कॉलेज परिसर में जमा पानी, डेंगू का खतरा

देवसर। स्थानीय शासकीय महाविद्यालय परिसर में काफी दिनों से मार्ग में पानी जमा होने से डेंगू मच्छरो के पनपने का खतरा मड़रा रहा है। दरअसल शासकीय महाविद्यालय के रास्ते में काफी दिनों से आवागमन मार्ग में पानी जमा है और इसी पानी से अब खतरा बढ़ रहा है। साथ ही छात्र-छात्राओं एवं प्राध्यापको को आने-जाने में भी दिक्कते हो रही हैं। यहां के छात्र-छात्राओं ने इस ओर कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुये सड़क को ठीक कराये जाने की मांग की है।

वनस्पति शास्त्र विषय के प्राध्यापक ने दी ज्वाइनिंग

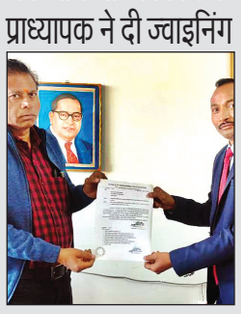

देवसर। लोक सेवा आयोग इंदौर से चयनित सहायक प्राध्यापक ने महाविद्यालय देवसर में अपनी उपस्थिति प्रदान की महाविद्यालय परिवार ने रामगोपाल सिंह का स्वागत किया। रामगोपाल सिंह इसके पूर्व शासकीय मॉडल उत्तर माध्यमिक विद्यालय, बैढ़न जिला सिंगरौली में कार्यरत थे। सहायक प्राध्यापक रामगोपाल मूल रूप से ग्राम वीरादेई तहसील हनुमना, जिला मऊगंज के निवासी हैं।

दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध समृद्धि प्रशिक्षण आयोजित

सिंगरौली। जिला पंचायत सभागार में पशुपालन विभाग द्वारा पशु पालक शक्तियों के लिए दुग्ध उत्पादन एवं दुग्ध समृद्धि विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिपं अतिरिक्त सीईओ अरविंद डामोर ने कहा कि दूध उत्पादन से महिलाओं की आर्थिक समृद्धि बढ़ती है तथा गांव स्तर पर गोपालन एवं गौशाला संचालन के माध्यम से महिलाएँ बेहतर आय अर्जित कर रही हैं।

समूह प्रदर्शनी एवं सम्मान समारोह आयोजित

सिंगरौली। अदानी फाउंडेशन उत्कर्ष जैविक संस्थान एवं म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वाधान में अटल सामुदायिक भवन में उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वयं सहायता समूहों द्वारा विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा समूहों को मार्केटिंग एवं व्यवसाय विस्तार के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जिला एवं जपं स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा करें : गौरव

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 12 दिसम्बर। कलेक्टर गौरव बैनल के अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर द्वारा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित निर्माण कार्यो की सहित जन कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

कलेक्टर ने पीएम आवास निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुये निर्देश दिए कि लंबित पीएम आवासो का निर्माण कार्यो का सब इंजीनियर अपने क्षेत्रांतर्गत मॉनिटरिंग कर आवासो का निर्माण कार्य पूर्ण करायें। उन्होने निर्देशित किया किया पीएम आवास संबंधित हितग्राहियों का ई-केवाईसी किया जाये एवं समय पर हितग्राही आवास निर्माण के लिए राशि भी उपलब्ध करायें। उन्होने निर्देशित किया कि जिला पंचायत स्तर एवं जनपद पंचायत स्तर पर इसकी साप्ताहिक समीक्षा करें। कलेक्टर ने मनरेगा अंतर्गत संचालित कार्यो की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया कि जितने भी निर्माण कार्य योजना अंतर्गत प्रगतिरत है, उनकी सूची बनाकर सभी सब इंजीनियर अपने-अपने क्षेत्रों का क्षेत्र भ्रमण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आगे स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुये कहा कि सभी सामुदायिक स्वच्छता परिसर कि साफ -सफाई कर नियमित रूप से संचालित करें। बैठक के दौरान जिपं अतिरिक्त सीईओ अरविंद डामोर, जनपद पंचायत बैढ़न के सीईओ अजीत बरवा, संजीव तिवारी, सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खसरे में काट-छांट की शिकायत सीएम के यहां पहुंची, जांच के निर्देश

तहसील सिंगरौली के नगरीय क्षेत्र ग्राम तेलाई का मामला, पटवारी पर है गंभीर आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 12 दिसम्बर। तहसील सिंगरौली नगरीय क्षेत्र के ग्राम तेलाई की एक खसरे की आराजी में काट-छांट कर नाम हटाने का मामला इन दिनों जोर पकड़ा हुआ है। फरियादी शैलेन्द्र कुमार जैन ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री के यहां किया था, जिसकी जांच कलेक्टर सिंगरौली के यहां आ गई है।

दरअसल मूल निवासी शांति बिहार कॉलोनी तहसील साइबर जिला-सागर हाल निवासी तेलाई के शैलेन्द्र कुमार जैन पिता सुभाषचन्द्र जैन व अन्य ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के यहां लिखित शिकायत करते हुये आवेदन पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि प्रार्थी के पिता का नाम ग्राम तेलाई भूमि आराजी नम्बर 73/1 रकवा 0.0200 हे. यानी पॉच ढिसमिल भूमि अभिलेख में दर्ज था। किंतु पिता की मृन्यु के उपरांत उक्त भूमि वारिसाना में शैलेन्द्र कुमार जैन, सरोज जैन बेवा के नाम दर्ज हो गई थी, किंतु हल्का पटरवारी तेलाई के द्वारा नियम विरूद्ध तरीके से

कूटरचित किया जाकर खसरे में काट-छांट कर उक्त भूमि को खसरे से नाम हटा दिया गया। वर्तमान अभिलेख में ग्राम तेलाई के मूल आराजी नम्बर 73 में केवल वटांकन 73/2 रकवा 0.0200 हे. वर्तमान भूमि स्वामी दूसरे का नाम दर्ज है। आराजी नम्बर 73/1 खसरे में नम्बर ही नही दिख रहा है। शिकायत कर्ता ने पटवारी पर आरोप लगाते हुये इसकी जांच कराकर कार्रवाई किये जाने की मांग की है। वहीं सीएम हाउस से उक्त मामले की जांच कलेक्टर सिंगरौली के यहां आई है। संयुक्त कलेक्टर ने उपखण्ड अधिकारी सिंगरौली को पत्र लिखकर उक्त मामले की जांच कर पॉच दिवस के अंदर प्रतिवेदन मांगा है, लेकिन अभी तक उक्त शिकायत का पत्र उपखण्ड अधिकारी के संज्ञान में नही आया है। उपखण्ड कार्यालय के किस कर्मचारी ने पत्र को दबाकर रखा है, यह अब और जांच का विषय बन गया है।

इनका कहना :-

मेरे संज्ञान में यह मामला अभी नही आया है। जैसे ही मामला सामने आएगा, जांच कराकर दोषी मिलने पर संबंधित के विरूद्ध कार्रवाई की जावेगी।

सुदेश जादव
उपखण्ड अधिकारी, सिंगरौली

नशा समाज, परिवार और राष्ट्र की उन्नति में सबसे बड़ी बाधा है : सौरभ

नवभारत न्यूज

सरई 12 दिसम्बर। नशामुक्ति जीवन अपनाओं जीवन अपना सफल बनाओं, गुरूवर जी का हैं नशामुक्त हो सारा देश, हम नहीं रुकेंगे, नशामुक्त देश करेंगे, जैसे प्रेरक नारों की गुंजन से आज दिन शुक्रवार को संपूर्ण सरई क्षेत्र गुंजायमान हो उठा, जब भगवती मानव कल्याण संगठन के संयुक्त तत्वाधान में विशाल नशामुक्ति सद्भावना पदयात्रा का आयोजन किया गया।

इस जनजागरण अभियान का नेतृत्व संगठन के केन्द्रीय महासचिव सौरभ द्विवेदी ने किया, जिनकी विशेष उपस्थिति ने कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। पदयात्रा में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर महासचिव सौरभ द्विवेदी ने कहा कि नशा समाज, परिवार और राष्ट्र की उन्नति में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश को नशामुक्त बनाना ही संगठन का परम लक्ष्य है और इसके लिए जन-सहभागिता अनिवार्य है। इस दौरान सरई पुलिस सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मौजूद रहे।

यूथ कांग्रेस ने राज्यमंत्री का फूंका पुतला

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 12 दिसम्बर। जिले में म.प्र. शासन की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के विरोध में आज युवा कांग्रेस सिंगरौली ने जोरदार प्रदर्शन किया। बैढ़न ब्लॉक युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित इस विरोध कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष सहित संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने मंत्री प्रतिमा बागरी की नीतियों और कथित जनविरोधी फैसलों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया गया।

नेशनल लोक अदालत आज, 20 खण्डपीठ गठित

जिला एवं सत्र न्यायालय बैढ़न में 11, देवसर 8 एवं सरई में 1 पीठासीन अधिकारी तैनात

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 12 दिसम्बर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला न्यायाधीश अतुल कुमार खण्डेलवाल के मार्गदर्शन में कल दिन शनिवार 13 दिसम्बर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।

नेशनल लोक अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अतुल कुमार

खण्डेलवाल के द्वारा कुल 20 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया है। प्रधान न्यायाधीश श्री खण्डेलवाल के द्वारा गठित न्यायिक खण्डपीठों के अंतर्गत जिला न्यायालय बैढ़न में 11 पीठासीन अधिकारीगण, न्यायिक अधिकारी अतुल कुमार खण्डेलवाल, प्रिवेन्द्र कुमार सेन, खालिद मुहतरम अहमद, अरूण कुमार खरादी, उमेश कुमार सोनी, धर्मेन्द्र सोनी, राकेश कुमार कुशवाह, शिवचरण पटेल, विशाल रिछारिया, कु. प्रिन्सू मिश्रा, सिमरन गुप्ता सिविल न्यायालय देवसर में 08 पीठासीन अधिकारीगण, न्यायिक अधिकारी राजकुमार वर्मा, दिनेश कुमार शर्मा, महेन्द्र पाल सिंह, विष्णुकांत मिश्रा, पूनम सिंह, अंकुर तिवारी, अदिति तिवारी, अनिल नामदेव एवं सिविल न्यायालय सरई में 1 पीठासीन अधिकारीगण, न्यायिक अधिकारी हर्ष वर्धन राठौर की खण्डपीठों का गठन किया गया है। नेशनल लोक अदालत का शुभारम्भ प्रधान जिला न्यायाधीश श्री खण्डेलवाल द्वारा जिला न्यायालय बैढ़न परिसर में प्रात: 10:30 बजे किया जायेगा। नेशनल लोक अदालत में अपने प्रकरणों का निराकरण कराने वाले पक्षकारों को न्याय प्रतीक के रूप में नि:शुल्क पौधा वितरण किया जावेगा। प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा जनसामान्य से नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक सहभागिता करने एवं प्रकरणों का निराकरण कराने की अपील की गई है।

छुरदा टोला में सड़क के लिए तरस रहा आदिवासी परिवार

नवभारत न्यूज

चितरंगी 12 दिसम्बर। धवई ग्राम पंचायत के छुरदा टोला आदिवासी बस्ती में आज तक पहुंच मार्ग नही है। जिसके चलते यहां के आदिवासी ग्रामीण प्रदेश सरकार के नुमाइंदे को जमकर कोस रहे हैं।

जिले के चितरंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत धवई के छुरदा टोला में आदिवासी परिवार सहित अन्य ग्रामीण रोड के लिए परेशान नजर आए छुरदा गांव के आदिवासी परिवारों सहित अन्य ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि इस गांव में रोड नहीं होने कारण गांव तक एम्बुलेंस नहीं पहुंच पाती, जब किसी की तबियत खराब होती है तो

करीब दो किलोमीटर तक मरीज को खाट पर लेकर जाना पड़ता है, गांव की स्थिति तो यह है कि घनी आबादी के बीच कार तो दूर मोटरसाइकिल भी नहीं पहुंच पाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि चुनाव के समय नेता घर-घर आते हैं और बड़े बड़े वादे करते हैं, लेकिन चुनाव जीत जाने के बाद नजर नहीं आते। मीडिया कर्मियों से बात करते हुए राजाराम सिंह गोंड, कुसुम कली सिंह गोंड़, छविलाल सिंह गोंड़, इंद्रनिया साहू, काजल साहू सहित अन्य ने अपनी समस्याएं सुनाई।

डीईओ के निरीक्षण में प्राचार्य समेत, डेढ़ दर्जन शिक्षक व अतिथि शिक्षक मिले गैरहाजिर

शिक्षकों को शोकाज नोटिस,गैर हाजिर अतिथि शिक्षकों के एक सप्ताह का वेतन काटने के निर्देश, उमावि. हरफरी के जन शिक्षक भी रहे नदारत

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 12 दिसम्बर। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश पर डीईओ एसबी सिंह ने आज दिन शुक्रवार की सुबह चितरंगी तहसील क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान धानी विद्यालय के प्राचार्य के अलावा अन्य विद्यालयों के करीब आधा दर्जन शिक्षको समेत 14 अतिथि शिक्षक गैर हाजिर मिले हैं। इन सभी गैर हाजिर शिक्षको को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये हैं। डीईओ के साथ एपीसी रम्सा हरिश्चन्द्र सिंह मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक आज दिन शुक्रवार को डीईओ एसबी सिंह ने सबसे पहले शाउमा विद्यालय हरफरी का 10:30 बजे औचक निरीक्षण किया। जहां 480 छात्र-छात्राओं में से 372 छात्र उपस्थित मिले। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक ललन सिंह जन शिक्षक, गजेंद्र सिंह सहाय ग्रेड -3, अजय प्रकाश त्रिपाठी अतिथि शिक्षक, मिथिलेश कुमार सिंह, रामखेलावन पटेल, प्रवीण मिश्रा राम, कलेश जायसवाल, मानवेंद्र तिवारी, सोनप्रभा सिंह, राजेश चतुर्वेदी, प्रज्ञा द्विवेदी अनिल बैस, अनुभव पाठक अतिथि शिक्षक अनुपस्थित रहे। इसके बाद 10:55 बजे शासकीय हाई स्कूल धानी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय खुली पाई गई, शिक्षक बाहर खड़े मिले। वहीं अल्पना शर्मा प्राचार्य हाई स्कूल, चंद्रवती सिंह मा. शि., अजय कुमार शर्मा, सुशील कुमार पाठक अतिथि शिक्षक गैर हाजिर रहे। साथ ही एचएस

कोरसर एवं एचएसएस बर्दी तथा एचएसएस कन्या चितरंगी संचालित पाई गई। सभी शिक्षक उपस्थित रहे एव कक्षाओं में अध्यापन करते पाये गये। इसके बाद हाई स्कूल नौडिहवा पोंडी पहुंचे, विद्यालय संचालित मिली और 202 दर्ज छात्रों मे 159 उपस्थित पाए गए। इस दौरान शिक्षक देवेश कुमार धर अतिथि शिक्षक वर्ग-2 अनुपस्थित मिले। इधर डीईओ ने बताया कि विद्यालय में अनुपस्थित लोकसेवकों से एससीएन जारी कर जबाब चाहा गया एवं अनुपस्थित 14 अतिथि शिक्षकों का 7 दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किये गए। आगामी माह में होने वाले प्री बोर्ड एवं बोर्ड विद्यालयों की परीक्षा की तैयारी की समीक्षा की गई एवं छात्र व शिक्षकों से परीक्षा परिणाम सुधार के लिए किये जाने वाले प्रयासों की चर्चा की गई।

शिक्षक मिले, लेकिन एक भी छात्र नहीं दिखे

जानकारी के मुताबिक जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय प्राथमिक विद्यालय पीएस करहिया कोटिया पहुंचे, विद्यालय के शिक्षक धर्मेन्द्र त्रिपाठी विद्यालय में निरीक्षण के दौरान 11:10 पर आये एवं विद्यालय खोले। विद्यालय में दर्ज छात्र 20 है परन्तु कोई छात्र विद्यालय में उपस्थित नहीं पाया गया। विद्यालय परिसर में चारो तरफ गंदगी पाई गई। डीईओ द्वारा सम्बंधित कर्मचारी को शोकाज नोटिस जारी किया गया।